

1

भारत-भूमि (कविता)

Vocabulary समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE शब्द-ज्ञान

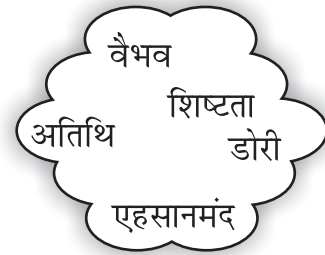
1. तुकांत शब्दों का मिलान कीजिए-

घबराते	दिखलाते
उकताते	पछताते
भले	ठना
चना	सकते
थकते	तभी
कभी	फले



2. समान अर्थ वाले शब्द छाँटकर लिखिए-

सूत्र	-	
शान	-	
आगंतुक	-	
आभारी	-	
सभ्यता	-	



Grammar व्याकरण

समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE

1. शब्दों के बहुवचन रूप में (✓) का निशान लगाइए—

बाधा	-	बाधाएँ		बाधों	
जाति	-	जातिया		जातियाँ	
कविता	-	कविताओं		कविताएँ	
भरोसा	-	भरोसो		भरोसे	

2. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए—

असफलता -

हार -

डर -

विश्वास -

खाली -

स्वीकार -

3. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

(क) लोहे के चने चबाना -

(ख) चैन की नींद सोना -

(ग) गाँठ खोलना -

Writing Tasks **समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment)** based on CCE

लेखन-कार्य

1. दिए गए वाक्यों के सामने (✓) या (X) का निशान लगाइए—

- (क) कर्मवीर व्यक्ति अपनी सारी परेशानियों को अपने बुद्धिबल से दूर कर लेते हैं।
- (ख) देश का उत्थान तभी संभव है जब देश में कर्मवीर जन्म नहीं लेंगे।
- (ग) इस कविता में कर्मवीर व्यक्तियों के बारे में बताया गया है।



2. 'भारत-भूमि' कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

भारत-भूमि

..... तैयारी है।

उत्तर में

..... गहरा।

एक छोर है

..... से प्यारी है।

3. अति लघु उत्तर लिखिए—

- (क) गिरिराज का कहाँ पहरा है?

.....

- (ख) भारत की पहचान क्या है?

.....

4. लघु उत्तर लिखिए—

- (क) भारत-भूमि की विशेषताएँ लिखिए।

.....

.....

5. दीर्घ उत्तर लिखिए—

(क) भारत-भूमि कविता का मूलभाव लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

6. दी गई पंक्तियों का सप्रसंग भावार्थ लिखिए—

हरे-भरे खेतों में पक्षी गीत गाते हैं,
मीठे-मौसमी फल-सब्जियाँ खुशी से खाते हैं।
झूमती मानसून हवाओं के हम आभारी हैं।
भारत-भूमि हमको अपनी जान से प्यारी है।।
युवा देश के, इन कंधों पर देश का भार उठाना है,
चाहे सिर भी कट जाए इस देश को हमें बचाना है।
मान तिरंगे का रखना, सबकी ज़िम्मेदारी है,
भारत-भूमि हमको अपनी जान से प्यारी है।।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Writing Tasks फॉरमेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE

लेखन-कार्य

1. इस कविता को पढ़कर आपके मन में क्या विचार आते हैं? लिखिए—

.....

.....

.....

.....

2. 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए—

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Comprehension Passage

लेखांश-बोध फॉरमेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

एक बार रघु ने कुएँ में झाँका तो चाँद की परछाई देखी। “हे भगवान! चाँद तो कुएँ में गिर पड़ा”, उसने बड़े दुख से कहा और भागकर एक रस्सी ले आया, जिसके सिरे पर एक बड़ा-सा हुक बँधा हुआ था। जल्दी से उसने रस्सी कुएँ में डाली। दूसरे सिरे को वह कसकर पकड़े रहा। रस्सी कुएँ के तह तक पहुँच गई और उसमें बँधा हुआ हुक एक पत्थर से टकराया। पत्थर उसमें फँस गया। यह सोचकर कि हुक में चाँद फँस गया है, रघु ने पूरा जोर लगाकर रस्सी को ऊपर खींचना शुरू किया। इससे रस्सी बीच में ही टूट गई और वह इतनी जोर से गिरा कि बेहोश हो गया। होश आने पर सबसे पहले उसने देखा कि चाँद आसमान में चमक रहा है। उसने दर्द से कराहते हुए कहा, “मेरी पीठ तो टूट गई, लेकिन कोई बात नहीं। शुक्र है, भगवान का कि चाँद तो बच गया।”

1. इन शब्दों के विलोम शब्द लिखिए—

आसमान -

चाँद -

2. इन शब्दों के अर्थ लिखिए—

भगवान -

जल्दी -

दर्द -

3. प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) रघु ने कुएँ में क्या देखा?

.....

(ख) रस्सी में बँधा हुक किससे टकराया?

.....

(ग) रघु ने रस्सी क्या समझकर ऊपर खींची?

.....

(घ) चाँद को आसमान में देखकर रघु ने क्या सोचा?

.....